संदीप प्रधान, भा.रा.से.
महानिदेशक
Sandip Pradhan, I.R.S.
Director General

सत्यमेव जयते

भारतीय खेल प्राधिकरण
sports authority of india

संदेश

सितम्बर, 2020

प्रिय अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों,

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हम सभी जानते हैं कि स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया था कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि "देवनागरी" होगी। इस परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाने की परम्परा शुरू हुई। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग इस उत्तरदायित्व का वहन कर रहा है। इस प्रकार सरकार की राजभाषा नीति का पालन करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य है।

हिन्दी एक समृद्ध भाषा है और भारत की राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता की कड़ी है, जिसने सभी को एक सूत्र में बांधा हुआ है। अत: जन मानस की आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु सरकार तथा समाज की दूरी को कम करने के लिए सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में कार्य किया जाना अपेक्षित है।

जैसा कि आपको विदित है कि मानव के समग्र विकास में खेलों की अहम भूमिका रही है परन्तु आज कोविड-19 वैश्विक महामारी ने अर्थव्यवस्था के साथ-साथ पूरे खेल जगत को भी एक बड़ी चुनौती दी है। इस महामारी के दौर में, भारतीय खेल प्राधिकरण वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से खेल-दुनिया को आगे बढ़ाने और लोगों का खेलों के प्रति नज़रिया बदलने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस कठिन समय में, ऑनलाईन एवं वर्चुअल बैठकों को हिन्दी भाषा के माध्यम से आयोजित कर हम समस्त देशवासियों को अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों से जोड़े रखने के लिए प्रयासरत है ताकि आम नागरिक इनका अधिकाधिक लाभ उठा सके।

हमें अपनी राष्ट्रभाषा को अधिक स्वीकार्य और इसके प्रयोग को सुगम, सरल बनाने के लिए "राष्ट्रभाषा हिन्दी" के क्षेत्र में उपलब्ध नए प्रौद्योगिकी साधनों का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। इसके साथ ही सभी केन्द्र/विभाग प्रमुख स्वयं राजभाषा हिन्दी में कार्य करते हुए अपने अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए आदर्श प्रस्तुत करें जिससे राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके।

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर, मैं आप सभी को बधाई देता हूं तथा आप सभी से आग्रह करता हूं कि हिन्दी में काम करने की गति तथा राजभाषा हिन्दी को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए सरकारी काम-काज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

हिन्दी में पत्राचार हो, हिन्दी में व्यवहार हो,
बोलचाल में हिन्दी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।

इन पंक्तियों के साथ, मुझे पूर्ण विश्वास है कि हिन्दी के प्रयोग में हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से निकट भविष्य में हमें साकारात्मक परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(संदीप प्रधान)
महानिदेशक, भाखेप्रा